No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

03931

दिसम्बर, 2017

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'दलित पैंथर आन्दोलन' और 'दलित साहित्य' के अन्त:सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए । *10*

2. दलित चिंतन के उद्‌भव और विकास पर एक निबंध लिखिए । *10*

3. महात्मा जोतिबा फूले के जीवन और साहित्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *10*

4. स्वामी अछूतानंद का परिचय देते हुए सामाजिक चेतना में उनके योगदान का आकलन कीजिए । *10*

5. डॉ. भीमराव आंबेडकर के नारी-सम्बन्धी चिंतन पर प्रकाश डालिए । *10*

6. श्री नारायण गुरु के द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के महत्त्व पर विचार कीजिए । *10*

7. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के धम्म सम्बन्धी चिंतन की विशेषताओं को उद्‌घाटित कीजिए । *10*

8. 'दलित साहित्य का निहितार्थ' विषय पर एक निबन्ध लिखिए । *10*

9. "दलित साहित्य ने अपने लिए एक सर्वथा नई भाषा का सृजन किया है ।" भाषा अभिव्यक्ति की दृष्टि से इस कथन पर विचार कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर

(ख) 'हरिजन-गाथा'

(ग) निराला की दलित-दृष्टि

(घ) दलित आलोचना का योगदान